



MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Coverage Report

Case Study: Centrum Microcredit: Fulfilling Dreams of Aspiring Women

Region: Bhilai, Chhattisgarh

Media Coverage Index

S. No.	Date	Publication Name	Edition
1.	20.11.2020	Agradoot	Bhilai
2.	21.11.2020	Rashtriya Hindi Mail	Bhilai
3.	22.11.2020	Hari Bhoomi	Bhilai
4.	22.11.2020	Dabang Dunia	Bhilai
5.	20.11.2020	Pratidin Rajdhani	Bhilai
6.	20.11.2020	Ispat Times	Bhilai
7.	20.11.2020	Raj Prakash	Bhilai
8.	20.11.2020	Dainik Vishwa Pariwar	Bhilai
9.	20.11.2020	Tarun Chhattisgarh	Bhilai
10.	21.11.2020	Aman Path	Bhilai
11.	21.11.2020	Samvet Shikhar	Bhilai
12.	22.11.2020	Kahi Ankahi	Bhilai
13.	27.11.2020	Swadesh	Bhilai

Publication	Agradoot
Edition	Bhilai
Date	20 th November, 2020
Page No.	03

महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक मजबूती देता सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट

रायपुर। माइक्रोफाईनेंस अनेक महत्वाकांक्षी महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ में दुर्ग निवासी, सरला बाई साहू की कहानी भी ऐसी ही है।

परिवार पर वित्तीय संकट था क्योंकि सरला और उसके पति, दोनों ही उस क्षेत्र में अवसरों की कमी के चलते बेरोजगार थे। वो एक संयुक्त परिवार में रह रहे थे, इसलिए उन दोनों को अपने खर्चे पूरे करना मुश्किल हो रहा था।

घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन दोनों ने अपने घर के बाहर छोटा सा स्टोर खोलने का निर्णय लिया। 2000 रु. के प्रारंभिक निवेश के साथ उन्होंने अपने स्टोर से जरूरी सामान बेचना शुरू किया। समय के साथ उन्हें अहसास हुआ कि खाने और ग्रासरी सामानों की बाजार में भारी मांग है। लेकिन पैसे की कमी के चलते वो सामान नहीं रख पा रहे थे।

उनकी उम्मीद खत्म हो रही थी, जब एक दिन सरला को गांव में ही उसकी एक सहेली ने सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट और इसके द्वारा दी जा रही वित्तीय मदद के बारे में बताया। अपनी वित्तीय समस्याओं का समाधान करने के लिए वो इसकी सदस्य बन गई और 20,000 रु. का

अपना पहला लोन लिया।

सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट से जुड़ने का सरला का कदम परिवर्तन लेकर आया। पहले लोन की मदद से उसने स्टोर के लिए जरूरी सभी उत्पाद खरीदे। धीरे धीरे उसकी आय बढ़ गई और उसने अपना लोन सफलतापूर्वक वापस चुका दिया।

जल्द ही उसने अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए दूसरा और तीसरा लोन लिया। कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय के साथ धीरे धीरे उसने अपने छोटे से स्टोर को पूर्ण विकसित ग्रासरी स्टोर में तब्दील कर लिया। आज सरला और उसका परिवार समाज में सम्मानजनक जीवन जी रहा है और वो अपने दोनों बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। वह सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट का आभार व्यक्त करती है, जो उसके जैसी अनेक महिलाओं को जरूरत के वक्त मदद दे रहा है। अपनी सफलता का श्रेय सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट को देते हुए सरला बाई ने कहा, “मैं गर्व के साथ कह सकती हूँ कि मैं अपने संयुक्त परिवार की आय में योगदान दे रही हूँ। मैं अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे रही हूँ और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हूँ। मेरे परिवार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मैं सेंट्रम को धन्यवाद देती हूँ।”

Publication	Rashtriya Hindi Mail
Edition	Bhilai
Date	21 st November, 2020
Page No.	03

आत्मनिर्भर बनाता सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट

महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक मजबूती देता सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट

भिलाई-दुर्ग, छत्तीसगढ़। माइक्रोफाइनैस अनेक महत्वाकांक्षी महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ में दुर्ग निवासी, सरला बाई साहू की कहानी भी ऐसी ही है।

परिवार पर वित्तीय संकट था क्योंकि सरला और उसके पति, दोनों ही उस क्षेत्र में अवसरों की कमी के चलते बेरोजगार थे। वो एक संयुक्त परिवार में रह रहे थे, इसलिए उन दोनों को अपने खर्च पूरे करना मुश्किल हो रहा था।

घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन दोनों ने अपने घर के

बाहर छोटा सा स्टोर खोलने का निर्णय लिया। 2000 रु. के प्रारंभिक निवेश के साथ उन्होंने अपने स्टोर से जरूरी सामान बेचना शुरू किया। समय के साथ उन्हें अहसास हुआ कि खाने और घोंसरी सामानों की बाजार में भारी मांग है। लेकिन पैसे की कमी के चलते वो सामान नहीं रख पा रहे थे। उनकी उम्मीद खत्म हो रही थी, जब एक दिन सरला को गांव में ही उसकी एक सहेली ने सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट और इसके द्वारा दी जा रही वित्तीय मदद के बारे में बतलाया। अपनी वित्तीय समस्याओं का समाधान करने के लिए वो इसकी सदस्य बन गई और



20,000 रु. का अपना पहला लोन लिया। सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट से जुड़ने का सरला का कदम परिवर्तन लेकर आया। पहले लोन की मदद से उसने स्टोर के लिए जरूरी सभी उत्पाद खरीदे। धीरे धीरे उसकी आय बढ़ गई और उसने अपना लोन

सफलतापूर्वक वापस चुका दिया। जल्द ही उसने अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए दूसरा और तीसरा लोन लिया। कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय के साथ धीरे धीरे उसने अपने छोटे से स्टोर को पूर्ण विकसित घोंसरी स्टोर में तब्दील कर लिया।

Publication	Hari Bhoomi
Edition	Bhilai
Date	22 nd November, 2020
Page No.	11



हरिभूमि
HARI BHUMI

राजपुर - इन्दौर भूमि
22 Nov 2020

माईक्रो क्रेडिट से आत्मनिर्भर हो रही महिलाएं

भिलाई। माईक्रो फाईनेंस अनेक महत्वाकांक्षी महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दुर्ग निवासी सरला बाई साहू की कहानी भी ऐसी ही है। परिवार पर वित्तीय संकट था। घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्होंने अपने घर के बाहर छोटा सा स्टोर खोलने का निर्णय लिया। 2000 रु. के प्रारंभिक निवेश के साथ उन्होंने अपने स्टोर से जरूरी सामान बेचना शुरू किया। समय के साथ उन्हें अहसास हुआ कि खाने और ग्रीसरी सामानों की बाजार में भारी मांग है। लेकिन पैसे की कमी के चलते वो सामान नहीं रख पा रहे थे। सरला को गांव में ही उसकी एक सहेली ने सेंट्रल माईक्रोक्रेडिट और इसके द्वारा दी जा रही वित्तीय मदद के बारे में बताया। अपनी वित्तीय समस्याओं का समाधान करने के लिए वो इसकी सदस्य बन गई और 20,000 रु. का अपना पहला लोन लिया। धीरे धीरे उसकी आय बढ़ गई और उसने अपना लोन सफलतापूर्वक वापस चुका दिया। जल्द ही उसने अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए दूसरा और तीसरा लोन लिया। धीरे धीरे उसने अपने छोटे से स्टोर को पूर्ण विकसित ग्रीसरी स्टोर में तब्दील कर लिया। आज सरला और उसका परिवार समाज में सम्मानजनक जीवन जी रहा है।

Publication	Dabang Dunia
Edition	Bhilai
Date	22 nd November, 2020
Page No.	06

महिलाओं को आर्थिक मजबूती दे रहा सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट

दबंग रिपोर्टर ▶ भिलाई-दुर्ग

माईक्रोफाईनेंस अनेक महत्वाकांक्षी महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ में दुर्ग निवासी, सरला बाई साहू की कहानी भी ऐसी ही है। परिवार पर वित्तीय संकट था क्योंकि सरला और उसके पति, दोनों ही उस क्षेत्र में अवसरों की कमी के चलते बेरोजगार थे। वो एक संयुक्त परिवार में रह रहे थे, इसलिए उन दोनों को अपने खर्चे पूरे करना मुश्किल हो रहा था।

घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन दोनों ने अपने घर के बाहर छोटा सा स्टोर खोलने का निर्णय लिया। 2000 रु. के प्रारंभिक निवेश के साथ उन्होंने अपने स्टोर से जरूरी सामान बेचना शुरू किया। समय के साथ उन्हें अहसास हुआ कि खाने और ग्रीसरी सामानों की बाजार में भारी मांग है। लेकिन पैसे की कमी के चलते वो सामान नहीं रख पा रहे थे।

उनकी उम्मीद खत्म हो रही थी, जब एक दिन सरला को गांव में ही उसकी एक सहेली ने सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट और इसके द्वारा दी जा रही वित्तीय मदद के बारे में बताया। अपनी वित्तीय समस्याओं का समाधान करने के लिए वो इसकी सदस्य बन गई और 20,000 रु. का अपना पहला लोन लिया। सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट से जुड़ने का सरला का कदम परिवर्तन लेकर आया। पहले लोन की मदद से उसने स्टोर के लिए जरूरी सभी उत्पाद खरीदे। धीरे धीरे उसकी आय बढ़ गई और उसने अपना लोन सफलतापूर्वक वापस चुका दिया।

Publication	Pratidin Rajdhani
Edition	Bhilai
Date	20 th November, 2020
Page No.	08

महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक मजबूती देता सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट

प्रतिदिन नेटवर्क, भिलाई-दुर्ग

माइक्रोफाईनेंस अनेक महत्वाकांक्षी महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ में दुर्ग निवासी, सरला बाई साहू की कहानी भी ऐसी ही है।

परिवार पर वित्तीय संकट था क्योंकि सरला और उसके पति, दोनों ही-उत्त क्षेत्र में अवसरों की कमी के चलते बेरोजगार थे। वो एक संयुक्त परिवार में रह रहे थे, इसलिए उन दोनों को अपने खर्च पूरे करना मुश्किल हो रहा था।

घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन दोनों ने अपने घर के बाहर छोटा सा स्टोर खोलने का निर्णय लिया। 2000 रु. के प्रारंभिक निवेश के साथ उन्होंने अपने स्टोर से जरूरी सामान बेचना शुरू किया। समय के साथ उन्हें अहसास हुआ कि खाने और पोसरी सामानों की बाजार में भारी मांग है। लेकिन पैसे की कमी के चलते वो सामान नहीं रख पा रहे थे।

उनकी उम्मीद खत्म हो रही थी, जब एक दिन सरला को गांव में ही



उसकी एक सहेली ने सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट और इसके द्वारा दी जा रही वित्तीय मदद के बारे में बताया। अपनी वित्तीय समस्याओं का समाधान करने के लिए वो इसकी सदस्य बन गई और 20,000 रु. का अपना पहला लोन लिया।

सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट से जुड़ने का सरला का कदम परिघर्षन लेकर आया। पहले लोन की मदद से उसने स्टोर के लिए जरूरी सभी उत्पाद खरीदे। धीरे धीरे उसकी आय बढ़ गई और उसने अपना लोन सफलतापूर्वक वापस चुका दिया।

जल्द ही उसने अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए दूसरा और तीसरा लोन लिया। कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय के साथ धीरे धीरे उसने अपने छोटे से स्टोर को पूर्ण विकसित

पोसरी स्टोर में तब्दील कर लिया।

आज सरला और उसका परिवार समाज में सम्मानजनक जीवन जी रहा है और वो अपने दोनों बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। वह सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट का 'आभार' व्यक्त करती है, जो उसके जैसी अनेक महिलाओं को जरूरत के वस्तु मदद दे रहा है।

अपनी सफलता का श्रेय सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट को देते हुए सरला बाई ने कहा, "मैं गर्व के साथ कह सकती हूँ कि मैं अपने संयुक्त परिवार की आय में योगदान दे रही हूँ। मैं अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे रही हूँ और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हूँ। मेरे परिवार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मैं सेंट्रम को धन्यवाद देती हूँ।"

Publication	Ispat Times
Edition	Bhilai
Date	20 th November, 2020
Page No.	06

आत्मनिर्भर बनाता सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट

भिलाई-दुर्ग, । माईक्रोफाईनेंस अनेक महत्वाकांक्षी महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ में दुर्ग निवासी, सरला बाई साहू की कहानी भी ऐसी ही है। परिवार पर वित्तीय संकट था क्योंकि सरला और उसके पति, दोनों ही उस क्षेत्र में अवसरों की कमी के चलते बेरोजगार थे। वो एक संयुक्त परिवार में रह रहे थे, इसलिए उन दोनों को अपने खर्चे पूरे करना मुश्किल हो रहा था। घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन दोनों ने अपने घर के बाहर छोटा सा स्टोर खोलने का निर्णय लिया। 2000 रु. के प्रारंभिक निवेश के साथ उन्होंने अपने स्टोर से जरूरी सामान बेचना शुरू किया। समय के साथ उन्हें अहसास हुआ कि खाने और ग़ोसरी सामानों की बाजार में भारी मांग है। लेकिन पैसे की कमी के चलते वो सामान नहीं रख पा रहे थे। उनकी उम्मीद खत्म हो रही थी, जब एक दिन सरला को गांव में ही उसकी एक सहेली ने सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट और इसके द्वारा दी जा रही वित्तीय मदद के बारे में बताया। अपनी वित्तीय समस्याओं का समाधान करने के लिए वो इसकी सदस्य बन गई और 20,000 रु. का अपना पहला लोन लिया।

Publication	Raj Prakash
Edition	Bhilai
Date	20 th November, 2020
Page No.	08

महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक मजबूती देता सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट

भिलाई/दुर्ग

माइक्रोफाईनेंस अनेक महत्वाकांक्षी महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ में दुर्ग निवासी, सरला बाई साहू की कहानी भी ऐसी ही है। परिवार पर वित्तीय संकट था क्योंकि सरला और उसके पति, दोनों ही उस क्षेत्र में अवसरों की कमी के चलते बेरोजगार थे। वो एक संयुक्त परिवार में रह रहे थे, इसलिए उन दोनों को अपने खर्च पूरे करना मुश्किल हो रहा था।

घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन दोनों ने अपने घर के बाहर छोटा सा स्टोर खोलने का निर्णय लिया। 2000 रु. के प्रारंभिक निवेश के साथ उन्होंने अपने स्टोर से जरूरी सामान बेचना शुरू किया। समय के साथ उन्हें

अहसास हुआ कि खाने और ग़ोसरी सामानों की बाज़ार में भारी मांग है। लेकिन पैसे की कमी के चलते वो सामान नहीं रख पा रहे थे।

उनकी उम्मीद खत्म हो रही थी, जब एक दिन सरला को गांव में ही उसकी एक सहेली ने सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट और इसके द्वारा दी जा रही वित्तीय मदद के बारे में बताया। अपनी वित्तीय समस्याओं का समाधान करने के लिए वो इसकी सदस्य बन गई और 20,000 रु. का अपना पहला लोन लिया।

सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट से जुड़ने का सरला का कदम परिवर्तन लेकर आया। पहले लोन की मदद से उसने स्टोर के लिए जरूरी सभी उत्पाद खरीदे। धीरे धीरे उसकी आय बढ़ गई और उसने अपना लोन सफलतापूर्वक वापस चुका दिया। जल्द ही उसने अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए दूसरा और तीसरा लोन

लिया। कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय के साथ धीरे धीरे उसने अपने छोटे से स्टोर को पूर्ण विकसित ग़ोसरी स्टोर में तब्दील कर लिया।

आज सरला और उसका परिवार समाज में सम्मानजनक जीवन जी रहा है और वो अपने दोनों बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। वह सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट का आभार व्यक्त करती है, जो उसके जैसी अनेक महिलाओं को जरूरत के वक्त मदद दे रहा है। अपनी सफलता का श्रेय सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट को देते हुए सरला बाई ने कहा, “मैं गर्व के साथ कह सकती हूँ कि मैं अपने संयुक्त परिवार की आय में योगदान दे रही हूँ। मैं अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे रही हूँ और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हूँ। मेरे परिवार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मैं सेंट्रम को धन्यवाद देती हूँ।”

Publication	Dainik Vishwa Pariwar
Edition	Bhilai
Date	20 th November, 2020
Page No.	03

महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक मजबूती देता सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट

रायपुर (विश्व परिवार)। माईक्राफाईनेंस अनेक महत्वाकांक्षी महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाने में मदद करके उनके जीवन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दुर्ग निवासी सरला साहू के परिवार पर वित्तीय संकट था, वे एक संयुक्त परिवार में रह रही थी पति भी बेरोजगारी से गुजर रहा था। घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए दोनों ने 2000 रूपए निवेश कर छोटा सो स्टोर खोलने का निर्णय लिया जिसमें उन्हें सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट ने वित्तीय मदद की। जिससे जुड़ने के बाद सरला के जीवन में आर्थिक परिवर्तन आया। उन्होंने अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए और भी लोन लिये और कड़ी मेहनत कर अपने छोटे से स्टोर को ग्रासरी स्टोर में तब्दील कर लिया। आज सरला का परिवार समाज में सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं, वे सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट के प्रति आभार व्यक्त करते हैं और अपनी सफलता का श्रेय भी वे सेंट्रम को देते हैं।

Publication	Tarun Chhattisgarh
Edition	Bhilai
Date	20 th November, 2020
Page No.	02

महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक मजबूती देता है सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई-दुर्ग, 20 नवंबर। माईक्रोफाईनेंस अनेक महत्वाकांक्षी महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ में दुर्ग निवासी, सरला बाई साहू की कहानी भी ऐसी ही है। परिवार पर वित्तीय संकट था क्योंकि सरला और उसके पति, दोनों ही उस क्षेत्र में अवसरों की कमी के चलते बेरोजगार थे। वो एक संयुक्त परिवार में रह रहे थे, इसलिए उन दोनों को अपने खर्चें पूरे करना मुश्किल हो रहा था। घर

को जरूरतों को पूरा करने के लिए इन दोनों ने अपने घर के बाहर छोटा सा स्टोर खोलने का निर्णय लिया। 2000 रु. के प्रारंभिक निवेश के साथ उन्होंने अपने स्टोर से जरूरी सामान बेचना शुरू किया। समय के साथ उन्हें अहसास हुआ कि खाने और घोंसरी सामानों की बाजार में भारी मांग है। लेकिन पैसे की कमी के चलते वो सहमान नहीं रह पा रहे थे।

उनकी उम्मीद खत्म हो रही थी, जब एक दिन सरला को गांव में ही उसकी एक सहेली ने सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट और इसके द्वारा दी जा रही वित्तीय मदद के बारे में बताया। अपनी वित्तीय समस्याओं

का समाधान करने के लिए वो इसकी सदस्य बन गई और 20,000 रु. का अपना पहला लोन लिया। सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट से जुड़ने का सरला का कदम परिवर्तन लेकर आया। पहले लोन की मदद से उसने स्टोर के लिए जरूरी सभी उत्पाद खरीदे। धीरे धीरे उसकी आय बढ़ गई और उसने अपना लोन सफलतापूर्वक वापस चुका दिया। जल्द ही उसने अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए दूसरा और तीसरा लोन लिया। कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय के साथ धीरे धीरे उसने अपने छोटे से स्टोर को पूर्ण विकसित घोंसरी स्टोर में तब्दील कर लिया। आज सरला और उसका परिवार

सम्राज में सम्मानजनक जीवन जी रहा है और वो अपने दोनों बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। वह सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट का आभार व्यक्त करती है, जो उसके जैसी अनेक महिलाओं को जरूरत के वक्त मदद दे रहा है। अपनी सफलता का श्रेय सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट को देते हुए सरला बाई ने कहा, "मैं गर्व के साथ कह सकती हूँ कि मैं अपने संयुक्त परिवार की आय में योगदान दे रही हूँ। मैं अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे रही हूँ और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हूँ। मेरे परिवार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मैं सेंट्रम को धन्यवाद देती हूँ।"

Publication	Amanpath
Edition	Bhilai
Date	21 st November, 2020
Page No.	08

आत्मनिर्भर बनाता सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट

भिलाई-दुर्ग। छत्तीसगढ़। माईक्रोफाईनेंस अनेक महत्वाकांक्षी महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ में दुर्ग निवासी, सरला बाई साहू की कहानी भी ऐसी ही है। परिवार पर वित्तीय संकट था क्योंकि सरला और उसके पति, दोनों ही उस क्षेत्र में अवसरों की कमी के चलते बेरोजगार थे। वो एक संयुक्त परिवार में रह रहे थे, इसलिए उन दोनों को अपने खर्चें पूरे करना मुश्किल हो रहा था। घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन दोनों ने अपने घर के बाहर छोटा सा स्टोर खोलने का निर्णय लिया। 2000 रु. के प्रारंभिक निवेश के साथ उन्होंने अपने स्टोर से जरूरी सामान बेचना शुरू किया। समय के साथ उन्हें अहसास हुआ कि खाने और ग्रीसरी सामानों की बाजार में भारी मांग है। लेकिन पैसे की कमी के चलते वो सामान नहीं रख पा रहे थे। उनकी उम्मीद खत्म हो रही थी, जब एक दिन सरला को गांव में ही उसकी एक सहेली ने सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट और इसके द्वारा दी जा रही वित्तीय मदद के बारे में बताया। अपनी वित्तीय समस्याओं का समाधान करने के लिए वो इसकी सदस्य बन गई और

20,000 रु. का अपना पहला लोन लिया। सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट से जुड़ने का सरला का कदम परिवर्तन लेकर आया। पहले लोन की मदद से उसने स्टोर के लिए जरूरी सभी उत्पाद खरीदे। धीरे धीरे उसकी आय बढ़ गई और उसने अपना लोन सफलतापूर्वक वापस चुका दिया। जल्द ही उसने अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए दूसरा और तीसरा लोन लिया। कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय के साथ धीरे धीरे उसने अपने छोटे से स्टोर को पूर्ण विकसित ग्रीसरी स्टोर में तब्दील कर लिया। आज सरला और उसका परिवार समाज में सम्मानजनक जीवन जी रहा है और वो अपने दोनों बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। वह सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट का आभार व्यक्त करती है, जो उसके जैसी अनेक महिलाओं को जरूरत के वक्त मदद दे रहा है। अपनी सफलता का श्रेय सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट को देते हुए सरला बाई ने कहा, ह्याहमै गर्व के साथ कह सकती हूँ कि मैं अपने संयुक्त परिवार की आय में योगदान दे रही हूँ। मैं अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे रही हूँ और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हूँ। मेरे परिवार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मैं सेंट्रम को धन्यवाद देती हूँ।

Publication	Samvet Shikhar
Edition	Bhilai
Date	21 st November, 2020
Page No.	09

महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक मजबूती देता सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट

भिलाई-दुर्ग। माइक्रोफाईनेंस अनेक महत्वाकांक्षी महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ में दुर्ग निवासी, सरला बाई साहू की कहानी भी ऐसी ही है। परिवार पर वित्तीय संकट था क्योंकि सरला और उसके पति, दोनों ही उस क्षेत्र में अवसरों की कमी के चलते बेरोजगार थे। वो एक संयुक्त परिवार में रह रहे थे, इसलिए उन दोनों को अपने खर्चे पूरे करना मुश्किल हो रहा था। घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन दोनों ने अपने घर के बाहर छोटा सा स्टोर खोलने का निर्णय लिया। 2000 रु. के प्रारंभिक निवेश के साथ उन्होंने अपने स्टोर से जरूरी सामान बेचना शुरू किया। समय के साथ उन्हें अहसास हुआ कि खाने और ग़ोसरी सामानों की बाजार में भारी मांग है। लेकिन पैसे की कमी के चलते वो सामान नहीं रख पा रहे थे। उनकी उम्मीद खत्म हो रही थी, जब एक दिन सरला को गांव में ही उसकी एक सहेली ने सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट और इसके द्वारा दी जा रही वित्तीय मदद के बारे में बताया। अपनी वित्तीय समस्याओं का समाधान करने के लिए वो इसकी सदस्य बन गई और 20,000 रु. का अपना पहला लोन लिया। सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट से जुड़ने का सरला का कदम परिवर्तन लेकर आया। पहले लोन की मदद से उसने स्टोर के लिए जरूरी सभी उत्पाद खरीदे। धीरे धीरे उसकी आय बढ़ गई और उसने अपना लोन सफलतापूर्वक वापस चुका दिया। जल्द ही उसने अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए दूसरा और तीसरा लोन लिया।

Publication	Kahi Ankahi
Edition	Bhilai
Date	22 nd November, 2020
Page No.	05

आत्मनिर्भर बनाता सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट

महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक मजबूती देता सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट

भिलाई-दुर्ग, छत्तीसगढ़। माईक्रोक्रेडिटनेस अनेक महत्वाकांक्षी महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ में दुर्ग निवासी, सरला बाई साहू की कहानी भी ऐसी ही है। परिवार पर वित्तीय संकट था क्योंकि सरला और उसके पति, दोनों ही उस क्षेत्र में अवसरों की कमी के चलते बेरोजगार थे। वो एक संयुक्त परिवार में रह रहे थे, इसलिए उन दोनों को

अपने खर्च पूरे करना मुश्किल हो रहा था। घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन दोनों ने अपने घर के बाहर छोटा सा स्टोर खोलने का निर्णय लिया। 2000 रु. के प्रारंभिक निवेश के साथ उन्होंने अपने स्टोर से जरूरी सामान बेचना शुरू किया। समय के साथ उन्हें अहसास हुआ कि खाने और घोंसरी सामानों की बाजार में भारी मांग है। लेकिन पैसे की कमी के चलते वो सामान नहीं रख पा रहे थे। उनकी उम्मीद खत्म

हो रही थी, जब एक दिन सरला को गांव में ही उसकी एक सहोदरी ने सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट और इसके द्वारा दी जा रही वित्तीय मदद के बारे में बताया। अपनी वित्तीय समस्याओं का समाधान करने के लिए वो इसकी सदस्य बन गई और 20,000 रु. का अपना पहला लोन लिया। सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट से जुड़ने का सरला का कदम परिवर्तन लेकर आया। पहले लोन की मदद से उसने स्टोर के लिए जरूरी सभी उपकरण खरीदे। धीरे धीरे उसकी आय

बढ़ गई और उसने अपना लोन सफलतापूर्वक वापस चुका दिया। जल्द ही उसने अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए दूसरा और तीसरा लोन लिया। कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय के साथ धीरे धीरे उसने अपने छोटे से स्टोर को पूर्ण विकसित घोंसरी स्टोर में तब्दील कर लिया। आज सरला और उसका परिवार समाज में सम्मानजनक जीवन जी रहा है और वो अपने दोनों बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। वह सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट का आभार

जता करती है, जो उसके जैसी अनेक महिलाओं को जरूरत के वक्त मदद दे रहा है। अपनी सफलता का श्रेय सेंट्रम माईक्रोक्रेडिट को देते हुए सरला बाई ने कहा, "मैं गर्व के साथ कह सकती हूँ कि मैं अपने संयुक्त परिवार की आय में योगदान दे रही हूँ। मैं अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे रही हूँ और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हूँ। मेरे परिवार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मैं सेंट्रम को धन्यवाद देती हूँ।"

Publication	Swadesh
Edition	Bhilai
Date	27 th November, 2020
Page No.	02

आत्मनिर्भर बनाता सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट

महत्वाकांक्षी महिलाओं को आर्थिक मजबूती देता सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट

रायपुर/भिलाई। माइक्रोफाईनेंस अनेक महत्वाकांक्षी महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करके उनके जीवन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। छत्तीसगढ़ में दुर्ग निवासी, सरला बाई साहू की कहानी भी ऐसी ही है। परिवार पर वित्तीय संकट था क्योंकि सरला और उसके पति, दोनों ही उस क्षेत्र में अवसरों की कमी के चलते बेरोजगार थे। वो एक संयुक्त परिवार में रह रहे थे, इसलिए उन दोनों को अपने खर्च पूरे करना मुश्किल हो रहा था। घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए इन दोनों ने अपने घर के बाहर छोटा सा स्टोर खोलने का निर्णय लिया। 2000

रु. के प्रारंभिक निवेश के साथ उन्होंने अपने स्टोर से जरूरी सामान बेचना शुरू किया। समय के साथ उन्हें अहसास हुआ कि खाने और ग़ोसरी सामानों की बाज़ार में भारी मांग है। लेकिन पैसे की कमी के चलते वो सामान नहीं रख पा रहे थे।

उनकी उम्मीद खत्म हो रही थी, जब एक दिन सरला को गांव में ही उसकी एक सहेली ने सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट और इसके द्वारा दी जा रही वित्तीय मदद के बारे में बताया। अपनी वित्तीय समस्याओं का समाधान करने के लिए वो इसकी सदस्य बन गई और 20,000 रु. का अपना पहला लोन लिया।

सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट से जुड़ने का सरला का कदम परिवर्तन लेकर आया। पहले लोन की मदद से उसने स्टोर के लिए जरूरी सभी उत्पाद खरीदे। धीरे धीरे उसकी आय बढ़ गई और उसने अपना लोन सफलतापूर्वक वापस चुका दिया। जल्द ही उसने अपने व्यवसाय को बढ़ाने

के लिए दूसरा और तीसरा लोन लिया। कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय के साथ धीरे धीरे उसने अपने छोटे से स्टोर को पूर्ण विकसित ग़ोसरी स्टोर में तब्दील कर लिया।

आज सरला और उसका परिवार समाज में सम्मानजनक जीवन जी रहा है और वो अपने दोनों बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। वह सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट का आभार व्यक्त करती हैं, जो उसके जैसी अनेक महिलाओं को जरूरत के वक्त मदद दे रहा है।

अपनी सफलता का श्रेय सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट को देते हुए सरला बाई ने कहा, “मैं गर्व के साथ कह सकती हूँ कि मैं अपने संयुक्त परिवार की आय में योगदान दे रही हूँ। मैं अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे रही हूँ और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हूँ। मेरे परिवार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मैं सेंट्रम को धन्यवाद देती हूँ।”